

---

Shri Ganadhisha Stuti Shrimahakalimahalakshimahasarasvatikrita

श्रीमहाकालीमहालक्ष्मीमहासरस्वतीकृता श्रीगणेशस्तुतिः

---

Document Information

Text title : Shri Ganadhisha Stuti Shrimahakalimahalakshimahasarasvatikrita

File name : gaNAdhIshastutiHshrImahAkAlImahAlakShmImahAsarasvatIkRRitA.itx

Category : ganেশa, mudgalapurANa, stuti, ekAdasha

Location : doc\_ganेशa

Proofread by : Yash Khasbage, Preeti Bhandare

Description/comments : mudgalapurANaM ShaShTaH khaNDaH | adhyAyaH 45 | 6.45 14-24||

Latest update : June 4, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 4, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीमहाकालीमहालक्ष्मीमहासरस्वतीकृता श्रीगणेशस्तुतिः



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

महाकालीमहालक्ष्मीमहासरस्वतय उच्युः ।

मयूरेशाय विघ्नेशाय भक्तविघ्नहारिणे ।

विघ्नघात्रे ह्यभक्तेभ्यो गणेशाय नमो नमः ॥ १४ ॥

लम्बोदराय देवाय मूषकध्वजिने नमः ।

अनाथानां सनाथाय नमो नाथाय ते नमः ॥ १५ ॥

परेशाय महेशेभ्यः सिद्धिदाय गजानन ।

अनन्ताय सदा स्वेभ्यः सर्वदाय नमो नमः ॥ १६ ॥

ब्रह्मणां पतये तुभ्यं सदा शान्तिमयाय य ।

शान्तीनां शान्तिरूपाय परात्मने नमो नमः ॥ १७ ॥

उरम्भाय नमस्तुभ्यं क्वये क्विरूपिणे ।

क्विभ्यः पदघात्रे य क्वीशाय नमो नमः ॥ १८ ॥

सिद्धिबुद्धिवरायैव सिद्धिबुद्धिप्रदायिने ।

सिद्धिबुद्धिप्रयालाय तद्रूपाय नमो नमः ॥ १९ ॥

मायामाधिक्यिन्नाथैः प्रभेलकस्वरूपिणे ।

योगशान्तिस्थभावाय शान्तिदाय नमो नमः ॥ २० ॥

शक्तये भानवे तुभ्यं विष्णवे शङ्करात्मने ।

नानारूपधरायैव भेलकाय नमो नमः ॥ २१ ॥

किं स्तुमस्त्वां गणेशीश यत्र शान्तिं प्रलेभिरे ।

वेदाद्यः शिवाद्याश्च नमामो मयूरध्वज ॥ २२ ॥

भक्तिं ते देहि सर्वेश वासं क्षेत्रे त्वदीयिडे ।

तथेति ता गणेशीशो ह्यगदृभक्तियन्त्रितः ॥ २३ ॥

छंदं स्तोत्रं पठेद्यस्तु शृणुयात् स लभेत् परम् ।

छंदं भुक्त्वाऽपिलान् भोगानन्ते स्वानन्दमाप्नुयात् ॥ २४ ॥

छति श्रीमहाकालीमहालक्ष्मीमहासरस्वतीकृता श्रीगणेशस्तुतिः सम्पूर्णा ॥

अेकादशस्तोत्रं

- ॥ मुद्गलपुराणं षष्ठः अधः । अध्यायः षट् । ६.४५ १४-२४ ॥

- .. mudgalapurANaM ShaShTaH khaNDaH . adhyAyaH 45 . 6.45 14-24..

Proofread by Yash Khasbage, Preeti Bhandare

---

—  
*Shri Ganadhisha Stuti Shrimahakalimahalakshmimahasarasvatikrita*  
pdf was typeset on June 4, 2024

—  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

